दो रोटी देने को जब भी कोई हाथ बढाता है भजन लिरिक्स

दो रोटी देने को जब भी,
कोई हाथ बढाता है,
ना जाने फिर साथ में क्यो वो,
सौ फोटो खिंचवाता है,
दो रोटी देनें को जब भी,
कोई हाथ बढाता है।bd।

तर्ज – कस्मे वादे प्यार वफ़ा।

फोटो दिखाके सबको बताया,
किसकी झोली खाली है,
पेट भरा है भूखे का या,
इज्ज़त उसकी उछाली है,
मानवता का धर्म तुम्हे क्या,
बस ये ही सिखलाता है,
दो रोटी देनें को जब भी,
कोई हाथ बढाता है।bd।

बेशक वो लाचार थे लेकिन,
उनका मन ना मैला था,
मदद की खातिर किसी के आगे,
हाथ ना उनका फैला था,
भीख मिली या मदद मिली ये,
निर्धन समझ ना पाता है,
दो रोटी देनें को जब भी,
कोई हाथ बढाता है।bd।

वाह वाही के लोभ में प्यारे,
कैसा दौर ये आया है,
थोड़ा देकर ओ इंसान तू,
क्यों इतना इतराया है,
सबको देने वाला 'मोहन',
नही किसी को जताता है,
दो रोटी देनें को जब भी,
कोई हाथ बढाता है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

दो रोटी देने को जब भी,
कोई हाथ बढाता है,
ना जाने फिर साथ में क्यो वो,
सौ फोटो खिंचवाता है,
दो रोटी देनें को जब भी,
कोई हाथ बढाता है।bd।

Singer – Lucky Sanwariya
Writer / Upload – Parshant Soni
+919253470444

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com